https://www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-ncr-easy-travel-from-greater-noida-to-noida-and-delhi-soon-after-build-14km-new-metro-route-common-man-issues-19273840.html

ग्रेटर नोएडा से नोएडा व दिल्ली का सफर होगा और आसान, बनेगा 14km का नया रूट

Publish Date Sat, 01 Jun 2019 06:50 PM (IST)

सेक्टर 142 के समीप से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ करीब 14 किमी लंबा नया कॉरिडोर बनाया जाएगा। इससे मेट्रो सीधे बोटेनिकल गार्डन पहुंचेगी।

नई दिल्ली/नोएडा, जेएनएन। ग्रेटर नोएडा से एक्वा लाइन मेट्रो को अब सीधे नोएडा के बोटेनिकल गार्डन से जोड़ा जाएगा। सेक्टर 142 के समीप से एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ करीब 14 किमी लंबा नया कॉरिडोर बनाया जाएगा। इससे मेट्रो सीधे बोटेनिकल गार्डन पहुंचेगी। अभी सेक्टर 142 से भंगेल की तरफ मेट्रो मुड़ जाती है। यह नोएडा के सेक्टर 71 तक जाती है। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के 114वीं बोर्ड बैठक में मेट्रो के विस्तार का प्रस्ताव रखा गया। बोर्ड ने नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) के एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दे दी। इसके निर्माण पर करीब दो हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसकी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के निर्देश नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन को दे दिए गए हैं।

बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ. अनूप चंद्र पांडे ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्वा लाइन को दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) की ब्लू लाइन से भी जोड़ा जाएगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा मेट्रो डिपो से बोड़ाकी रेलवे स्टेशन और वहां प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) तक भी करीब चार किलोमीटर एक्वा लाइन का विस्तार किया जाएगा। इसकी फिजीबिलटी रिपोर्ट तैयार करने का प्रस्ताव को अनुमोदित कर शासन के पास भेज दिया गया है।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा से बड़ी संख्या में लोग नोएडा, दिल्ली, गुरुग्राम व फरीदाबाद नौकरी करने जाते हैं। इनके लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्वा लाइन मेट्रो फिट नहीं बैठ रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को उम्मीद थी कि एक्वा मेट्रो के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर की आवाजाही और बेहतर होगी। नौकरीपेशा लोग ग्रेटर नोएडा में बसने को प्राथमिकता देंगे। लेकिन प्राधिकरण की उम्मीद पूरी नहीं हुई। एक्वा मेट्रो के रूट व ब्लू लाइन मेट्रो से सीधे कनेक्टिविटी न होने के कारण काफी कम यात्री इसमें सफर कर रहे हैं, इसलिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एक्वा मेट्रो को